>

Title: Need to undertake repair of dilapidated post office buildings and fill up the vacant posts in the Postal department in the country particularly at Surat in Gujarat.

श्रीमती दर्शना जरदोश (सूरत): पूरे देश भर में डाक विभाग में तकरीबन 1,55,000 डाकघर कार्यरत हैं। उन डाकघरों में लगभग 25,000 डाकघर मौजूद हैं। उनमें मोडर्न टैक्नोलॉजी की सेवा उपलब्ध है एवं विभाग में नई नई सेवायें उपलब्ध होती है। जैसे कि सोना की बिक्री करना, रेलवे का रिजर्वेशन , अमरनाथ यात्रा की बुकिंग, विदेशी मनीआर्डर आदि सेवाएं उपलब्ध की जाती है।

सरकार के द्वारा डाकघरों में नई नई सेवाएं तो दी जाती हैं लकिन ज्यादातर डाकघर ऐसे हैं जो किराये के मकान में उपलब्ध हैं। उनमें से कई डाकघर मेरी जानकारी के मुताबिक 50 से 60 साल पुराने जर्जर मकान में चल रहे हैं। इसके बारे में मैंने दिनांक 11 अगस्त को मंत्री जी को लिखित पत्र दिया हुआ हे। ऐसे डाकघर सूरत (गुजरात) में सगरामपुरा पुतली, रांदेर, नवयुग जर्जर मकान में चल रहे हैं। सगरामपुर पुतली डाकघर के लिये 5-5 बार टेन्डर आने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं की जाती है। देश भर में ऐसे जर्जर डाक भवनों के निर्माण के लिये सरकार क्या कदम उठा रही है, इन भवनों को बदलने की आवश्यकता है।

डाक विभाग में तकरीबन 50 हजार से ज्यादा रिक्त पद पड़े हैं। उनकी वजह से आम आदमी को डाक समय पर नहीं मिलती। पहले ट्रेनों में डायरेक्ट सोर्टिंग व्यवस्था होती थी वह बंद हो जाने की वजह से आम आदमी डाक वितरण से परेशान हो चुका है। मैं जानना चाहता हूं कि गुजरात और सूरत में रिक्त पद भरने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है ?

भारत सरकार के डाक विभाग में कार्यरत अधिकारियों के लिए स्थानांतरण योजना बनाई गई है। मेरी जानकारी के मुताबिक अधिकारियों का कार्यकाल 4 साल का होता है। उसके बाद उसे सरकारी नियमों के तहत उसका स्थानान्तरण किया जाता है लेकिन गुजरात सर्कल के बडोदरा रीजन में पोस्ट मास्टर जनरल और निर्देशक द्वारा अप्रैल 2012 में 21 वरिष्ठ अधिकारियों का तबादला किया गया है। इनमें से कई अधिकारियों का कार्यकाल तो सिर्फ 4 से 8 महीना ही था। इनमें से कई अधिकारियें ने अपने परिवार के लिए एवं बच्चें की पढ़ाई की वजह से अपनी पसंदीदा जगह पाने के लिए मांग की थी। यदि इन अधिकारियों को उनकी पसंदीदा जगह पर पोस्टिंग दी गई होती तो सरकारी खर्च तकरीबन 30 लाख रूपये बच सकते थे। मैं चाहती हूं कि यह आदेश तुंत ही रद्द किये जाये।